हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
बुधवार, 19 नवंबर 2020, बरेली, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

PAGE NO. 06 BOTTOM

मीडिया मार्केटिंग इनिशियेटिव

एसआरएमएस के आईवीएफ सेंटर में है विश्वस्तरीय सुविधायें और विशेषज्ञ डॉक्टर

आईवीएफ में भरोसेमंद नाम है एसआरएमएस

बरेली: आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलिटेशन) को सामान्य भाषा में टेस्ट ट्यूब बेबी भी कहते हैं। इस तकनीक से दंपतियों को संतान देने में भरोसेमंद नाम है एसआरएमएस। यहां इस तकनीक से संतान पाने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

SRMS

यहां इलाज के लिए आने वालों के कारण भले अलग अलग हों, लेकिन संतान के साथ यहां से जाने वालों के चेहरों पर संतुष्टि एक सी होती है। यही वजह है कि कम समय में ही एसआरएमएस के आईवीएफ सेंटर ने अपनी पहचान उत्तर भारत के अन्य सेंटरों के मुकाबले विश्वास के साथ ज्यादा मजबूत बना ली है। इसकी वजह यहां विश्वस्तरीय संसाधनों और विशेषज्ञ और अनुभवी डाक्टरों की टीम का होना भी है।

- बड़े शहरों में इलाज से असंतुष्टों की गोद भर रहा है एसआरएमएस का आईवीएफ सेंटर
- असंतुलित खानपान, अनियमित दिनचर्या, मोटापा अधिक उम्र में शादी इनफर्टिलिटी के है प्रमुख कारण

महिला और पुरुष में से किसी में भी कमी के चलते आज इनफर्टिलिटी बढ़ रही है। असंतुलित खानपान, अनियमित दिनचर्या, रहनसहन, मोटापा भी इसे बढ़ाते हैं। ऐसे में परेशान होने और छुपाने से काम नहीं चलने वाला। ऐसे लोग सही समय पर डाक्टर से राय लें। आईवीएफ के जरिये उनकी इस समस्या का समाधान संभव है। बड़े शहरों के मुकाबले एसआरएमएस में इस पर खर्च भी बेहद कम है। ऐसे में खबराएं नहीं, एसआरएमएस में आएं और अपना इलाज करवाएं।

-डा.शशि बाला आर्या
आईवीएफ स्पेशलिस्ट, एसआरएमएस मेडिकल कालेज, बरेली

आईवीएफ प्रक्रिया क्या है?

आईवीएफ में पुरुष के स्पर्म और महिला के एग को लैब में मिला कर भ्रूण का निर्माण किया जाता है। जिसे बाद में उस महिला के गर्भ में डाल दिया जाता है जो मां बनना चाहती है। उसके बाद शेष गर्भधारण की प्रक्रिया प्राकृतिक रूप से चलती है। शुरूआती जांचों से लेकर IVF प्रक्रिया एवं बच्चे की डिलीवरी तक डॉक्टरों की देखरेख में की जाती है।

किसे अपनाना चाहिए?

ऐसी महिलायें जिन्हें हेल्थ संबंधी समस्याएं हैं जैसे महिलाओं में फैलोपियन ट्यूब में ब्लॉकेज, अनियमित महावारी, अण्डों का न बनना या समय पर न फूटना, नसबंदी होने के कारण गर्भधारण न होना, पी. सी.ओ.एस. बीमारी से पीड़ित होना। कोई जेनेटिक समस्या, पुरूषों में शुक्राणुओं की कमी, इनफर्टिलिटी के सही कारण का पता न होना। महिलाओं व पुरूषों की जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है फर्टिलिटी में भी कमी आती है और ऐसे दंपतियों की अधिक उम्र होने पर आईवीएफ की सलाह दी जाती है।

आईवीएफ से लाभ क्या हैं?

आईवीएफ प्रक्रिया अपनाने के कई लाभ हैं। इसका सक्सेस रेट काफी अच्छा है। यह हर तरह के लोगों के लिए उपयोगी है। इसके जरिये एक अण्डा और एक स्पर्म को ICSI, PICSI तकनीक का इस्तेमाल करके फर्टाइल किया जा सकता है तथा PICSI तकनीक से पुरूष बांझपन में सुधार किया जा सकता है। इससे स्वस्थ शिशु के जन्म की संभावना ज्यादा रहती है। गर्भपात की आशंका कम होती है।

आईवीएफ क्लीनिक का चुनाव

यदि आप आईवीएफ कराने की सोच रहे हैं तो आपको सही आईवीएफ सेंटर की तलाश करनी चाहिए। बरेली और आसपास के क्षेत्र में एसआरएमएस इस कमी को पूरी करता है। यहां विश्वस्तरीय सुविधायें, विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम है। पिछले वर्षों में लगभग 80 दंपतियों के घरों में आईवीएफ से ही बच्चों की किलकारियां गूंजी हैं।

पीलीभीत की महिला को मिली बेटी

पीलीभीत के लालपुर निवासी सावित्री (बदला हुआ नाम) संतान न होने से परेशान थी। डाक्टरों के चक्कर लगाते समय उन्हें आईवीएफ इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) का पता चला। इसके लिए चार साल पहले दिल्ली गईं। वहां आईवीएफ विधि से बच्चा पाने में 7-8 लाख खर्च बताया गया। आर्थिक स्थिति देखते हुए यह राशि ज्यादा थी। ऐसे में वह एसआरएमएस पहुंची। गायनेकोलाजिस्ट डा.रुचिका गोयल ने उनका चेकअप किया। फैलोपियन ट्यूब बंद होने के साथ शुगर और थायराइड की दिक्कतों की भी जानकारी मिली। डा.रुचिका ने सावित्री को इलाज में वक्त लगने के साथ ही औलाद होने का भरोसा दिया। सावित्री (40 वर्ष) का ट्रीटमेंट शुरू हुआ। पहले शुगर कंट्रोल की और फिर आई.वी.एफ. में सफलता मिली। प्रेग्नेंसी के अंतिम दिनों में सावित्री का बीपी काफी बढ़ गया। ऐसे में पिछले महीने 17 सितंबर को आपरेशन करना पड़ा। बेटी का जन्म हुआ। दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। सावित्री कहती हैं कि पांच साल पहले एसआरएमएस में पथरी का इलाज करवाया था। इलाज ठीक होने से एसआरएमएस पर भरोसा था। लेकिन पता नहीं था कि यहां आईवीएफ की सुविधा है। इसीलिए दिल्ली के अस्पतालों में चक्कर काटे। लेकिन खर्च ज्यादा होने की बात पर वापस पीलीभीत आ गए। उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन इसी बीच एसआरएमएस में आईवीएफ की जानकारी मिली। यहां इलाज हुआ। डा.रुचिका गोयल ने तो काफी ध्यान रखा ही, स्टाफ ने भी मदद की। इसी की बदौलत आज मेरी गोद में बच्ची खेल रही है। इसके लिए हमेशा एसआरएमएस और यहां के डाक्टरों की आभारी रहूंगी। दूसरों को भी यहां इलाज की सलाह भी दूंगी।

यह है अनुभवी आईवीएफ डॉक्टर्स पैनल

डा. शशिबाला आर्या, डा. रुचिका गोयल, डा. मृदु सिन्हा, डा. शान्ति शाह

एसआरएमएस में मिलने वाली सुविधाएं

आईवीएफ(इन-विट्रो फर्टिलिटेशन), ICSI (इंट्रासाइटोप्लास्मिक स्पर्म इंसेमिनेशन), PICSI, ओंकोफर्टिलिटी, पीईएसए (पर्कुटेनियस इपिडिमल स्पर्म एस्पिरेशन), टीईएसए (टेस्टुकुलर स्पर्म एस्पिरेशन), इंफर्टिलिटी वर्कअप सोनोग्राफी, लैपरोस्कोपी, हाइस्टेरोस्कोपी, क्रायोप्रिसर्वेशन, ब्लास्टोसिस्ट कल्चर, एंब्रियो ट्रांसफर, इंट्रायूटेरिन इसेमिनेशन (आईयूआई), फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर (एफईटी), डोनर सर्विसेज, सीमेन बैंक

✆ 9458704000, 9458704444

श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, भोजीपुरा, बरेली

(इस लेख में किए गए दावों की सत्यता की पूरी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति/संस्थान की है)